ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 16 जून 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 65

ट्रम्प ने ईरान को 28 लाख करोड़ की मदद की खबर को बताया फर्जी, बोले– अमेरिका कोई निवेश नहीं करेगा; ईरान समझौते पर वैश्विक राजनीति में तेज हलचल

24 न्यूज अपडेट

न्यूयार्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट को पूरी तरह फर्जी करार दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि अमेरिका किसी संभावित समझौते के तहत ईरान को करीब 28 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज दे सकता है। ट्रम्प ने मंगलवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह खबर विपक्षी डेमोक्रेट्स द्वारा फैलाई गई झूठी सूचना है और इसका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अमेरिका ईरान में कोई पैसा निवेश नहीं कर रहा है। फ्रांस में कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के साथ बैठक के दौरान भी ट्रम्प ने इस मुद्दे पर दो टूक कहा कि अमेरिका फिलहाल ईरान में किसी भी तरह का निवेश नहीं करेगा, हालांकि उन्होंने यह जरूर जोड़ा कि भविष्य में जरूरत पड़ने पर निवेश का विकल्प खुला रखा जाएगा। ट्रम्प ने दोहराया कि अमेरिका की

प्राथमिक प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ईरान किसी भी स्थिति में परमाणु हथियार हासिल न कर सके। इस बीच ईरान को लेकर चल रही कूटनीतिक प्रक्रिया ने वैश्विक स्तर पर नया मोड़ ले लिया है। अमेरिका-ईरान समझौते की चर्चा के साथ ही अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। ब्रेंट क्रूड और WTI दोनों ही पिछले कई महीनों के सबसे निचले स्तर के करीब पहुंच गए हैं, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में नई अनिश्चितता और नई स्थिरता दोनों की स्थिति बनती दिख रही है। समझौते को लेकर पश्चिम एशिया की राजनीति में भी स्पष्ट विभाजन दिख रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ईरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार को अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी (IAEA) की निगरानी में रखने की शर्त रखी है, जबकि ईरान ने इस समझौते को अपनी "राजनयिक जीत" बताते हुए इसे रणनीतिक सफलता के रूप में पेश किया है। वहीं इजराइल ने इस समझौते से दूरी बनाते हुए कहा है कि वह इससे बाध्य नहीं है और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर अपनी नीति जारी रखेगा। अमेरिका के भीतर भी इस समझौते को लेकर गंभीर मतभेद सामने आए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार CIA प्रमुख, विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री ने इस डील की विश्वसनीयता और ईरान की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए हैं, जबकि कुछ वरिष्ठ अधिकारी इसे आगे बढ़ाने के पक्ष में हैं। इससे ट्रम्प प्रशासन के भीतर नीति को लेकर असमंजस की स्थिति भी उजागर हो रही है। इसी बीच ईरान ने लेबनान में इजराइली सैन्य कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि किसी भी हमले को समझौते का उल्लंघन माना जाएगा। वहीं कई खाड़ी देशों ने अमेरिका-ईरान समझौते का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्रीय शांति की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पूरा घटनाक्रम केवल कूटनीतिक समझौता नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार, पश्चिम एशिया की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय शक्ति संतुलन पर गहरा असर डालने वाला मोड़ बन चुका है।

NEET री-एग्जाम से पहले भारत में टेलीग्राम पर अस्थायी रोक, 22 जून तक बैन; मैसेज एडिट फीचर भी 30 जून तक बंद रहेगा

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने NEET-UG री-एग्जाम की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए भारत में टेलीग्राम मैसेजिंग एप के उपयोग पर 22 जून 2026 तक अस्थायी रोक लगाने का फैसला किया है। इस संबंध में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी। सरकार ने यह कार्रवाई सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69A के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के आदेश पर की है। NTA के अनुसार, 21 जून को होने वाले NEET री-एग्जाम के मद्देनजर यह कदम परीक्षा की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए उठाया गया है। हालांकि आदेश लागू होने की सटीक तारीख का उल्लेख नहीं किया गया है।

30 जून तक बंद रहेगा मैसेज एडिट फीचर

सरकार ने टेलीग्राम को यह भी निर्देश दिया है कि भारत में उसका मैसेज एडिट फीचर 30 जून 2026 तक निष्क्रिय रखा जाए। इसका मतलब है कि पहले से भेजे गए संदेशों में कोई बदलाव या नई फाइल जोड़ने की सुविधा इस अवधि में उपलब्ध नहीं होगी। NTA का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व परीक्षा समाप्त होने के बाद पुराने संदेशों में प्रश्नपत्र जोड़कर यह दिखाने की कोशिश करते थे कि पेपर पहले ही लीक हो चुका था। इसी तरह की फर्जी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए एडिट फीचर को अस्थायी रूप से बंद कराया गया है।

फर्जी पेपर लीक के नाम पर हो रही थी ठगी

एजेंसी के अनुसार, पिछले कुछ सप्ताह में टेलीग्राम पर "PAPER LEAKED NEET", "Re-NEET 2026" और "NEET MAFIA" जैसे नामों से कई चैनल और ग्रुप संचालित किए जा रहे थे। इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए अभ्यर्थियों और उनके परिवारों से पेपर उपलब्ध कराने के नाम पर लाखों रुपये की मांग की जा रही थी। NTA ने स्पष्ट किया कि ऐसे सभी दावे पूरी तरह फर्जी हैं और परीक्षार्थियों को भ्रमित करने तथा आर्थिक ठगी करने के उद्देश्य से फैलाए जा रहे हैं।

I4C और पुलिस की कार्रवाई में कई चैनल बंद

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) ने टेलीग्राम पर संचालित कई संदिग्ध चैनल, ग्रुप और बॉट्स को हटाने की कार्रवाई की है। वहीं विभिन्न राज्यों की पुलिस एजेंसियों ने भी ऐसे साइबर गिरोहों के खिलाफ अभियान चलाया है। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई ने 9 जून को पेपर लीक के नाम पर ठगी से सावधान रहने की चेतावनी जारी की थी। वहीं अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने आठ टेलीग्राम चैनलों के जरिए ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया, जिसने फर्जी बैंक खातों के माध्यम से करीब 1.5 करोड़ रुपये का लेनदेन किया और एक महीने में लगभग एक हजार लोगों से संपर्क किया था।

लाखों उपयोगकर्ताओं पर पड़ेगा असर

टेलीग्राम पर अस्थायी रोक का असर उन लाखों लोगों पर भी पड़ेगा जो इस प्लेटफॉर्म का उपयोग पढ़ाई, नौकरी, निजी संवाद और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए करते हैं। NTA ने इस असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए लोगों से सहयोग की अपील की है।

एजेंसी ने कहा है कि यदि किसी भी अभ्यर्थी को पेपर उपलब्ध कराने, परीक्षा में मदद दिलाने या किसी अन्य संदिग्ध ऑफर का संदेश मिले तो उसकी सूचना तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 या साइबर क्राइम पोर्टल पर दी जाए।

री-एग्जाम में किए गए महत्वपूर्ण बदलाव

NEET-UG री-एग्जाम के लिए NTA पहले ही नई गाइडलाइंस जारी कर चुकी है। अब परीक्षा की अवधि 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट कर दी गई है। इसके अलावा अभ्यर्थियों को रफ वर्क के लिए पहले की तुलना में अधिक स्थान उपलब्ध कराया जाएगा और चार अलग-अलग रफ वर्क शीट दी जाएंगी।

पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द हुई थी परीक्षा

देशभर में 3 मई 2026 को आयोजित NEET-UG परीक्षा के बाद कई राज्यों से प्रश्नपत्र लीक होने और कुछ अभ्यर्थियों को पहले से पेपर उपलब्ध कराने के आरोप सामने आए थे। प्रारंभिक जांच में अनियमितताओं के संकेत मिलने पर NTA ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी थी। इसके बाद केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों की समीक्षा के आधार पर 21 जून को दोबारा परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया।

मेडिकल प्रवेश की सबसे बड़ी परीक्षा

NEET (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) देशभर के सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में MBBS, BDS, BAMS, BHMS, नर्सिंग तथा अन्य चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है। इसके माध्यम से AIIMS, JIPMER सहित देश के प्रमुख मेडिकल संस्थानों में दाखिला मिलता है और हर वर्ष लाखों छात्र इसमें शामिल होते हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी संस्थापक पर हमले के 5 आरोपी जमानत पर रिहा, थाने के बाहर हुआ स्वागत, अभिजीत दीपके ने लगाए गंभीर आरोप

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। शहीद स्मारक पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके के साथ हुई मारपीट के मामले में गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपियों को मंगलवार को जमानत मिल गई। पुलिस ने सभी को सोमवार को शांतिभंग की आशंका में हिरासत में लिया था। अदालत से 20-20 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत मिलने के साथ ही उन्हें छह महीने तक शांति बनाए रखने के लिए पाबंद भी किया गया है।

विधायपुरी थाने से बाहर आते ही आरोपियों का उनके समर्थकों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया और नारेबाजी करते हुए उन्हें बाहर ले गए। बताया जा रहा है कि आरोपियों में शामिल कुछ युवक प्रदर्शन देखने पहुंचे थे, जबकि एक आरोपी निकेत खुद कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है।

घटना सोमवार को उस समय हुई थी जब शहीद स्मारक पर आयोजित प्रदर्शन के दौरान अभिजीत दीपके पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया था। मौके पर धक्का-मुक्की और मारपीट की स्थिति बन गई थी। बाद में पुलिस ने पांच युवकों को हिरासत में लेकर कार्रवाई की थी।

आरोपियों की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता बसंत पारीक का कहना है कि उनके मुवक्किल प्रदर्शन देखने पहुंचे थे और विचारधारा को लेकर विवाद बढ़ने पर झगड़ा हो गया। उनके अनुसार निकेत, जो स्वयं पार्टी से जुड़ा हुआ है, विवाद के दौरान मारपीट में शामिल हो गया था।

इस बीच अभिजीत दीपके ने हमले को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि इस घटना में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से जुड़े लोगों की भूमिका रही और जब भी कोई व्यक्ति सरकार या उसकी विचारधारा के खिलाफ आवाज उठाता है, तो इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार पांच युवकों में तीन जयपुर, एक सीकर और एक जोधपुर का रहने वाला है। इनमें दो एमबीए की पढ़ाई कर रहे हैं, दो रोजगार की तलाश में हैं और एक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। तीन आरोपी आपस में पहले से परिचित बताए गए हैं, जबकि दो अन्य का उनसे कोई सीधा संबंध नहीं था।

वहीं, आरोपियों के साथियों ने दावा किया कि घटना पूर्व नियोजित नहीं थी। उनका कहना है कि प्रदर्शन के दौरान कुछ बातों को लेकर विवाद बढ़ गया, जिसके बाद स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। दूसरी ओर अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण है और उसे जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है।

G7 समिट में मोदी–ट्रम्प की मुलाकात, 16 महीने बाद आमने-सामने; ट्रेड डील, टैरिफ और रणनीतिक साझेदारी पर हुई शुरुआती बातचीत

24 न्यूज अपडेट

पेरिस। फ्रांस के एवियन में चल रहे G7 शिखर सम्मेलन के दौरान मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात हुई। दोनों नेताओं के बीच करीब 5 मिनट की अनौपचारिक बातचीत हुई, जिसमें वे एक साथ बैठे नजर आए। यह मुलाकात 16 महीनों बाद हुई, इससे पहले दोनों की आखिरी बैठक फरवरी 2025 में व्हाइट हाउस में हुई थी। G7 समिट में भाग लेने पहुंचे पीएम मोदी का फ्रांस में औपचारिक स्वागत किया गया। सम्मेलन में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और कनाडा सहित G7 देशों के प्रमुख नेता शामिल हो रहे हैं, साथ ही यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि और भारत, ब्राजील, दक्षिण कोरिया, मिस्र और केन्या जैसे आमंत्रित देश भी मौजूद हैं। सूत्रों के अनुसार, मोदी और ट्रम्प के बीच शाम को संभावित रूप से 6:30 बजे एक विस्तृत बैठक हो सकती है, जिसमें भारत-अमेरिका ट्रेड डील, टैरिफ संरचना, निवेश और रणनीतिक साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते को लेकर दोनों देशों की बातचीत इस समिट में आगे बढ़ सकती है। इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने G7 शिखर सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन किया। वर्किंग लंच के दौरान ट्रम्प, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जर्मन चांसलर और अन्य वैश्विक नेता भी एक साथ चर्चा करते नजर आए। पीएम मोदी की इस यात्रा को वैश्विक कूटनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है, क्योंकि एक ओर भारत G7 देशों के साथ आर्थिक और तकनीकी साझेदारी को मजबूत करने की कोशिश में है, वहीं दूसरी ओर अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर नई गति मिलने की संभावना जताई जा रही है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

संपादकीय : राहत की उम्मीद

अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष को समाप्त करने तथा होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने पर बनी सहमति भारत समेत दुनिया के कई देशों के लिए संकट से राहत मिलने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। द्विपक्षीय शांति समझौते पर उन्नीस जून को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर किए जाने का प्रस्ताव है। इसके लागू होने से निश्चित तौर पर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला फिर से बहाल हो पाएगी, जिससे खासकर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दबाव कम होगा और ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता के साथ-साथ इसकी कीमतों में भी गिरावट आएगी। मगर अमेरिका और ईरान के बीच इस सहमति को अभी उम्मीद के तौर पर ही देखा जा रहा है, क्योंकि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से दोनों पक्षों के रुख में जिस तरह की अनिश्चतता देखी गई है, उस लिहाज से इस समझौते के सिरे चढ़ने को लेकर अभी पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल है। संशय इसलिए भी बना हुआ है, क्योंकि अंतिम समझौते के नियम और शर्तें अभी औपचारिक रूप से सार्वजनिक नहीं की गई हैं और दोनों पक्षों में से कौन इसमे अड़ंगा लगा दे, इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। गौरतलब है कि अमेरिका और इजराइल ने इस वर्ष 28 फरवरी को ईरान पर संयुक्त रूप से हमला किया था, जिसके बाद ईरान ने भी पलटवार शुरू कर दिया। अप्रैल में अमेरिका की ओर से दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा की गई, जिसे बाद में अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया। हालांकि, इस बीच दोनों ओर से छिटपुट हमले होते रहे, लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान होर्मुज जलमार्ग को बाधित करने से हुआ, जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा का संकट खड़ा हो गया। वैश्विक तेल आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से का परिवहन इसी मार्ग से होता है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे तेल उत्पादक खाड़ी देशों के लिए यही मुख्य निर्यात मार्ग है, जो भारत के प्रमुख ऊर्जा आपूर्तिकर्ता भी हैं। अगर यह मार्ग फिर से बहाल हो जाता है, तो भारत जैसे दुनिया के कच्चे तेल आयातक देशों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम होंगी, माल ढुलाई लागत घटेगी और महंगाई पर दबाव भी कम होगा। पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने पर बनी सहमति की खबरें आने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल कीमतों में गिरावट का दौर शुरू हो गया। भारत में इसका असर शेयर बाजार में उछाल और डालर के मुकाबले रुपए की मजबूती के रूप में सामने आया। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह समझौता सफलतापूर्वक लागू होता है, तो भारत की अर्थव्यवस्था को कई मोर्चों पर राहत मिलने की उम्मीद है। इससे पश्चिम एशिया को होने वाले भारत के निर्यात में तेजी आएगी, विनिर्माण गतिविधियों को गति मिलेगी और रुपए की स्थिरता को भी बल मिलेगा । ईरान की ओर से होमुंज जलमार्ग को अवरुद्ध करने के बाद इसके आसपास अमेरिका की नाकेबंदी से स्थिति और जटिल हो गई है। मगर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्विपक्षीय सहमति के एलान के साथ यह स्पष्ट कर दिया है कि इस जलमार्ग के फिर से खुलते ही नाकेबंदी को भी हटा लिया जाएगा। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि अमेरिका और ईरान इस सहमति पर कायम रहेंगे और शांति समझौते को अंतिम मंजूरी देने की दिशा में सकारात्मक रूप से कदम आगे बढ़ाएंगे, ताकि पश्चिम एशिया में फिर से शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि का रास्ता खुल सके।

अफवाह की आग

मध्य प्रदेश में मुरैना रेलवे स्टेशन के निकट हुए हादसे में चार यात्रियों की मौत से रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं बार-बार होने वाले इस तरह के हादसे रेलवे बोर्ड के उन दावों की सच्चाई को सामने लाते हैं, जिनमें रेलगाड़ी के सफर को पूरी तरह सुरक्षित बनाए जाने की बात कही जाती है। सवाल है कि अगर चलती ट्रेन में किसी तरह की अफवाह से बचने के लिए सुरक्षात्मक उपायों पर ध्यान न दिया जाए, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? गौरतलब है कि रविवार को खजुराहो- उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के इंजन के पास के एक डिब्बे में आग लगने की अफवाह के बाद कुछ यात्री ट्रेन से उतर कर बगल की पटरियों पर खड़े हो गए। इसी बीच दूसरी ओर से आ रही एक अन्य ट्रेन की चपेट में आने से चार यात्रियों की मौत हो गई। इससे प्रतीत होता है कि पहले हुए इस तरह के हादसों से कोई सबक नहीं लिया गया। एक ट्रेन के यात्रियों का दूसरी ट्रेन की चपेट में आने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी देश भर में ऐसे कई हादसे हो चुके हैं। सवाल है कि इस तरह की अफवाह के दौरान स्थिति को कैसे संभालना है, क्या रेलवे कर्मियों को इसका प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है ? ट्रेन के चालक और अन्य कर्मियों को वहां से गुजरने वाली अन्य रेलगाड़ियों के समय की जानकारी होती है, इसके बावजूद दूसरी पटरी पर खड़े यात्रियों को समय रहते आगाह क्यों नहीं किया गया। उत्तर मध्य रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया कि घटनास्थल पर तीखा मोड़ है, इसलिए पटरी पर खड़े यात्रियों और दूसरी ओर से आ रही ट्रेन के चालक को एक-दूसरे का पता नहीं चल सका। मगर सवाल यह भी है कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए रेलवे में बचाव का कोई पुख्ता तंत्र विकसित क्यों नहीं किया जाता ? रेलवे बोर्ड को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और इस हादसे की गहराई से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि इस तरह के हादसे की पुनरावृत्ति न हो ।

नौकरी बचाने की मांग को लेकर निविदा नर्सेज ने प्रिंसिपल सेक्रेटरी गायत्री राठौड़ से लगाई गुहार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अपनी सेवाएं जारी रखने और नौकरी बचाने की मांग को लेकर निविदा नर्सेज लगातार जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगा रही हैं। इसी क्रम में मंगलवार को राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन उदयपुर के जिलाध्यक्ष प्रवीण चरपोटा के नेतृत्व में निविदा नर्सेज के प्रतिनिधिमंडल ने प्रिंसिपल सेक्रेटरी गायत्री राठौड़ को ज्ञापन सौंपकर रोजगार सुरक्षित रखने की मांग की। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के सम्भागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया ने बताया कि पिछले कई दिनों से निविदा नर्सेज विभिन्न स्तरों पर अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठा रही हैं। उनका कहना है कि उन्होंने पिछले दो से तीन वर्षों से अल्प मानदेय पर अस्पताल में सेवाएं देते हुए मरीजों की देखभाल की है, लेकिन अब अचानक नौकरी समाप्त होने की स्थिति से उनके सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। निविदा नर्सेज ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि यदि उनकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं तो उनके परिवारों का पालन-पोषण करना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने सरकार से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उनकी सेवाओं को जारी रखने और रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल की बात सुनने के बाद प्रिंसिपल सेक्रेटरी गायत्री राठौड़ ने मामले के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.एल. सुमन को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए प्रकरण पर उचित कार्रवाई करने को कहा। इस दौरान संरक्षक सत्यवीर सिंह तंवर, प्रदेश सचिव लाल चंद ऐचरा, जिलाध्यक्ष प्रवीण चरपोटा, सम्भागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया, सकीला अंसारी सहित बड़ी संख्या में निविदा नर्सेज उपस्थित रहीं। प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर उनकी नौकरी सुरक्षित रखने की दिशा में कदम उठाएगी।

उदयपुर-चित्तौड़ हाईवे पर भीषण हादसा: डिवाइडर से टकराकर पलटी कार, एक युवक की मौत, तीन गंभीर घायल

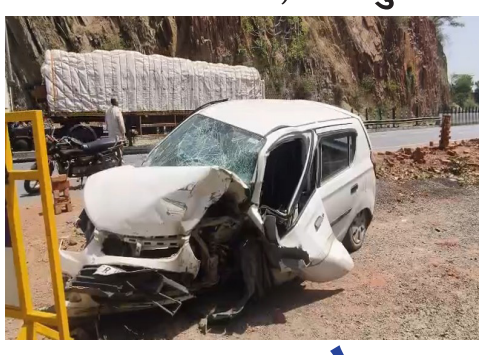

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर घाटा वाला माताजी मंदिर के सामने आधी रात को हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और पलट गई, जिससे कार में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार हादसे में राजसमंद जिले के रेलमगरा थाना क्षेत्र निवासी गौरव बुनकर (पिता राधेश्याम बुनकर) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार में सवार तीन अन्य युवकों को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि परिजनों की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। प्राथमिक जांच में माना जा रहा है कि तेज रफ्तार के कारण कार चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों की जांच पुलिस कर रही है। घटना के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया।

ज्ञान मंदिर समिति के हीरक जयंती समारोह में नवनिर्मित छात्रावास का लोकार्पण, जसोदाबेन मोदी ने किया शुभारम्भ

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 जून। ज्ञान मंदिर समिति के हीरक जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में शिक्षा, समाजसेवा और पूर्व विद्यार्थियों के योगदान का गौरवपूर्ण उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत नवनिर्मित छात्रावास भवन का लोकार्पण एवं विविध सम्मान समारोहों का आयोजन किया गया, जिसमें समाजसेवियों, भामाशाहों और पूर्व छात्रों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। कार्यक्रम के प्रथम चरण में रिको इंडस्ट्रियल एरिया धोल की पाटी स्थित कन्याशाला परिसर में नवनिर्मित छात्रावास भवन का लोकार्पण मुख्य अतिथि श्रीमती जसोदाबेन मोदी ने किया। समारोह की अध्यक्षता मुंबई के प्रख्यात उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री महेश भाई गांधी ने की। इस अवसर पर जसोदाबेन मोदी ने ज्ञान मंदिर समिति के 60 वर्षों के शैक्षिक एवं सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह छात्रावास ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार बनेगा।

समारोह में समिति एवं 'सत्य (संन्यासाश्रम)' समिति की कार्यकारिणी का भी पुनर्गठन एवं मनोनयन किया गया। द्वितीय चरण में हिरण मगरी सेक्टर-4 स्थित ज्ञान मंदिर विद्यालय परिसर में 'स्वयं' (पूर्व छात्र परिषद) के अंतर्गत संगम संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें देश-विदेश में कार्यरत पूर्व विद्यार्थियों ने अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किए तथा संस्था के विकास में निरंतर सहयोग का संकल्प दोहराया। सायंकाल जसोदाबेन मोदी के मुख्य आतिथ्य में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें भामाशाहों, समाजसेवियों एवं पूर्व विद्यार्थियों को विभिन्न अलंकरणों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति के संस्थापक श्री टीकम चंद असावरा, उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योत्स्ना शर्मा एवं श्री अशोक करवा, प्रमोद झवर, डॉ. कमलकिशोर पोरवाल, प्रदीप पंवार सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कुंजन आचार्य एवं संगीता पालीवाल ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन लीला पालीवाल ने किया।

प्रमुख सम्मान एवं अलंकरण

भामाशाह अलंकरण के अंतर्गत मुकेश भंसाली, श्रीमती शकुंतला जैन, किशनलाल कोठारी (बेंगलुरु) एवं रायचंद छाजेड़ (बेंगलुरु) को विद्यालय एवं छात्रावास निर्माण में योगदान हेतु सम्मानित किया गया। ज्ञान वास्तु कलाश्री पुरस्कार के अंतर्गत स्व. अविनाश गुप्ता, स्व. उपेश जी त्रिवेदी, श्रीमती दीपेंती भाटी एवं विक्रम पालीवाल को निर्माण एवं शिल्प योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया। ज्ञान गौरव पुरस्कार से पूर्व विद्यार्थियों सुनील गांग, दिलीप जारोली, प्रमोद चपलोत, नरेन्द्र आमेटा, वंदना माली, दीपक तलेसरा एवं दीपक पालीवाल को समाज में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में पूरे वातावरण में शिक्षा, संस्कार और सामाजिक सेवा की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई तथा हीरक जयंती उत्सव को एक ऐतिहासिक आयोजन के रूप में देखा गया।

नेशनल पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में राजसमंद के विष्णु का जलवा, गोल्ड सहित तीन पदक जीतकर बढ़ाया जिले का मान

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। जिले के होनहार पैरा तैराक विष्णु कुमार बैरवा ने बेंगलुरु में आयोजित नेशनल पैरा जूनियर एवं सब-जूनियर स्विमिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण और दो रजत पदक अपने नाम किए हैं। उनकी इस उपलब्धि से पूरे राजसमंद जिले में खुशी का माहौल है और खेल प्रेमियों में उत्साह देखा जा रहा है। विष्णु कुमार बैरवा ने प्रतियोगिता की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा उन्होंने 50 मीटर बटरफ्लाई और 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में रजत पदक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। लगातार तीन स्पर्धाओं में पदक जीतकर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का गौरव बढ़ाया।

कोच जगदीश तेली के मार्गदर्शन का मिला लाभ

विष्णु की इस सफलता के पीछे उनके कोच जगदीश चंद्र तेली का महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है। नियमित प्रशिक्षण, अनुशासन और लगातार अभ्यास के दम पर विष्णु ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। कोच के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी तकनीक और प्रदर्शन को लगातार बेहतर बनाया, जिसका परिणाम अब पदकों के रूप में सामने आया है।

नौचैकी स्विमिंग क्लब में हुआ भव्य स्वागत

बेंगलुरु से लौटने पर नौचैकी स्विमिंग क्लब में विष्णु कुमार बैरवा का गर्मजोशी के साथ स्वागत और सम्मान किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कोच जगदीश तेली, क्लब अध्यक्ष रतन केलवा, सहयोगी कोच प्रहलाद वैष्णव, राहुल, दिलीप टांक, महावीर चपलोत सहित क्लब के अनेक सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा आनंदम ग्रुप के कमलेश कच्छारा, मुकेश कोठारी और मधुसूदन व्यास ने भी विष्णु का अभिनंदन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उपस्थित सभी लोगों ने विश्वास जताया कि विष्णु आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

पानी भरने गई महिला की 200 फीट गहरे कुएं में डूबने से मौत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां एक महिला की जिंदगी पलभर में खत्म हो गई। मजाम गांव की जोगी बस्ती में सोमवार शाम करीब पांच बजे 46 वर्षीय कमला जोगी घर के लिए पीने का पानी भरने कुएं पर पहुंची थीं। लेकिन पानी निकालते समय अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने से वह करीब 200 फीट गहरे कुएं में जा गिरीं। हादसे के वक्त उनके साथ मौजूद एक छोटे बच्चे ने महिला को गिरते देखा तो जोर-जोर से चीखने लगा। मासूम की आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर बचाव की कोशिश शुरू की। लेकिन कुएं की गहराई और उसमें भरे पानी के कारण कोई भी महिला तक नहीं पहुंच सका। देखते ही देखते कमला पानी में डूब गईं और उनकी जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही गोगुंदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन अंधेरा होने और हालात अनुकूल नहीं होने के कारण सोमवार रात रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा नहीं किया जा सका। इसके बाद मंगलवार सुबह पुलिस और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से दोबारा अभियान शुरू किया। कई घंटों की मशक्कत के बाद महिला के शव को कुएं से बाहर निकाला गया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गोगुंदा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

सम्यक् दर्शन ही मोक्ष मार्ग की प्रथम सीढ़ी : अंकित जैन शास्त्री

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर एवं श्री दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के संयुक्त तत्वावधान में 14 दिगम्बर जैन मंदिरों में चल रहे सम्यक् ज्ञान शिक्षण शिविर के तीसरे दिन बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। शिविर संयोजक पं. अंकित जैन शास्त्री ने कहा कि "सम्यक् दर्शन ही मोक्ष मार्ग की प्रथम सीढ़ी है।" वहीं धर्म प्रभावना समिति अध्यक्ष कुंथुकुमार गणपतोत ने बताया कि शिविर का भव्य सामूहिक समापन 21 जून, रात 8 बजे आरएनटी मेडिकल कॉलेज न्यू ऑडिटोरियम में होगा, जिसमें 1000 से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है। सचिव शशिकांत शाह ने बताया कि समापन समारोह में विद्वान शिक्षकों, सहयोगियों व मंदिर संयोजकों का सम्मान होगा। प्रचार मंत्री विकास गदिया ने कहा कि बच्चों में चित्रकला, गायन और स्वाध्याय को लेकर विशेष उत्साह है। पं. भुवनेश जैन शास्त्री ने इसे समाज में "धर्म की गंगा" बताया। बैठक में महेंद्र टाया, शशिकांत शाह, कैलाश गंगवाल, राजेंद्र अखावत, माणकचंद लुहाडिया सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे, जबकि पं. अंशुल जैन शास्त्री ने आभार व्यक्त किया। ब्र. यश भैया ने गुणस्थान विवेचन में सम्यक् दर्शन के महत्व पर प्रकाश डाला।

जयपुर में फिल्मी स्टाइल हादसा: पलटी खाई कार से बिखरे नए नोट, 1 युवक की मौत, 2 फरार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजधानी में मंगलवार दोपहर एक्सप्रेस हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार का फिल्मी स्टाइल एक्सीडेंट हो गया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया। दो अन्य युवक मौके से फरार हो गए। दुर्घटना के बाद सड़क पर नए नोट भी बिखर गए, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार हादसा करीब दोपहर 2:15 बजे विश्वकर्मा थाना क्षेत्र स्थित 14 नंबर पुलिया के आगे एक्सप्रेस हाईवे पर हुआ। दिल्ली नंबर की वैगनआर कार में चार युवक सवार थे, जो तेज रफ्तार से दिल्ली की ओर जा रहे थे। मोड़ पर कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और पोल से टकराकर तीन-चार बार पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के शीशे टूट गए और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के दौरान कार में रखे 10-10 और 1-1 रुपये के नए नोट सड़क पर उड़कर बिखर गए। इस दौरान एक युवक का शव लहूलुहान हालत में सड़क पर आ गिरा, जबकि दो युवक मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को संभालकर सड़क किनारे बैठाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल को कांवटिया अस्पताल में भर्ती कराया। थाना प्रभारी रविंद्र सिंह (विश्वकर्मा) ने बताया कि मृतक की अभी पहचान नहीं हो पाई है। शव को मॉर्च्युरी में रखवाया गया है और कार को जब्त कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में कार से शराब की बोतलें और अन्य सामान मिला है।

पिता की हार्ट अटैक से मौत, बेटी सदमा नहीं सह सकी बेटी, खेत के तालाब में छलांग लगा कर मौत को गले लगाया

24 न्यूज अपडेट

बीकानेर। जिले के बज्जू क्षेत्र में मंगलवार को एक ही परिवार पर ऐसा दुख टूटा, जिसने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। पहले पिता की हार्ट अटैक से मौत हुई और कुछ ही समय बाद उनकी 22 वर्षीय बेटी ने भी अपनी जान गंवा दी। इस दर्दनाक घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और परिजन गहरे सदमे में हैं। परिजनों के अनुसार, पतराम गोदारा सोमवार शाम अपने निर्माणाधीन मकान पर गए थे और रात वहीं रुके थे। मंगलवार सुबह जब वे अचेत अवस्था में मिले तो परिवार के लोग उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उनकी मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है। पिता के निधन की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। जब उनका पार्थिव शरीर घर लाया गया तो उनकी बेटी ऋतु गोदारा इस गहरे आघात को सहन नहीं कर सकी उसने घर के पास खेत के तालाब में छलांग लगा दी। यह देख परिजन और ग्रामीण तालाब की ओर दौड़े। लोगों ने ऋतु को बाहर निकालकर तुरंत बज्जू के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पतराम गोदारा के भतीजे पवन गोदारा ने बताया कि कुछ ही घंटों के अंतराल में परिवार ने दो सदस्यों को खो दिया, जिससे पूरे घर का माहौल गमगीन हो गया है। ऋतु स्नातक प्रथम वर्ष की छात्रा थी और पढ़ाई कर रही थी। बज्जू उप जिला अस्पताल में दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया। परिवार ने पिता और बेटी का अंतिम संस्कार एक साथ करने का निर्णय लिया है। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है।

PTI भर्ती नकल मामला: डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षा देने वाला सूचना सहायक गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने पीटीआई भर्ती परीक्षा 2022 में नकल प्रकरण के वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ा खुलासा किया है। आरोपी ने डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षा दी थी, जिससे एक अभ्यर्थी को नौकरी दिलवाई गई थी। इस सौदे में करीब 8 लाख रुपये की डील हुई थी। एडीजी (SOG) विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पवन कुमार (29), निवासी धोरीमन्ना, बालोतरा है, जो वर्तमान में बाड़मेर स्थित मुद्रांकन पंजीयन विभाग के उप महानिरीक्षक कार्यालय में सूचना सहायक के पद पर कार्यरत था। जांच में सामने आया कि शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में सितम्बर 2026 की परीक्षा में दो पारियों के दौरान आरोपी ने दलाल भभूताराम के जरिए 8 लाख रुपये लेकर मुख्य अभ्यर्थी मुकेश सारण की जगह डमी कैंडिडेट के रूप में परीक्षा दी थी। बाद में मुकेश सारण का चयन होकर पीटीआई पद पर नियुक्ति भी हो गई थी।मामला उजागर होने के बाद आरोपी फरार हो गया था, जिस पर SOG ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर 10 दिन के रिमांड पर लिया है। मामले में अब तक कुल 5 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और आगे की जांच जारी है।

एमबी अस्पताल में इलाज कराने आए युवक की जेब से 29,800 रुपये पार, टोकन लेते समय वारदात

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के एमबी चिकित्सालय में इलाज कराने आए एक युवक की जेब से अज्ञात बदमाश ने 29,800 रुपये निकाल लिए। घटना उस समय हुई जब युवक टोकन काउंटर पर अपना नंबर लेने के लिए हाथ बढ़ा रहा था। मामले की सूचना मिलने पर हाथीपोल थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार खैरोदा निवासी मनीष पुत्र हस्तीमल मेहता ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपनी पत्नी और बच्चे के साथ इलाज के लिए एमबी चिकित्सालय आया था। 15 जून की सुबह करीब 11 बजे वह टोकन काउंटर पर टोकन नंबर 100 लेने के लिए पहुंचा। इसी दौरान एक अज्ञात युवक उसकी जेब से 29,800 रुपये निकालकर फरार हो गया। मनीष ने बताया कि जैसे ही उसने टोकन लेने के लिए हाथ बढ़ाया, उसे एक युवक तेजी से वहां से निकलता दिखाई दिया। जेब पर हाथ लगाने पर नकदी गायब मिली। इसके बाद उसने तुरंत अस्पताल के सुरक्षा गार्ड और स्टाफ को घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना पर हाथीपोल थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने लोगों से भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अपने सामान और नकदी की विशेष सतर्कता से सुरक्षा रखने की अपील की है।

कोटा में 30 लाख की अवैध शराब से भरा ट्रक जब्त, आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/कोटा, 16 जून। आबकारी आयुक्त श्री नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेशभर में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोटा में बड़ी कार्रवाई करते हुए आबकारी विभाग ने एक ट्रक से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आबकारी निरोधक दल ने सोमवार देर रात नाकाबंदी कर ट्रक को रोका और तलाशी के दौरान उसमें भारी मात्रा में शराब मिली। बरामद शराब की अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये आंकी गई है। कार्रवाई अतिरिक्त आबकारी आयुक्त कोटा श्री नरेश कुमार मालव एवं जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती सरिता के सुपरविजन में की गई, जबकि संयुक्त टीम का नेतृत्व प्रहराधिकारी श्री नरेंद्र सिंह साजू (जयपुर शहर दक्षिण, कैंप कोटा दक्षिण) ने किया। जांच के दौरान ट्रक से 995 पेटियों में कुल 47,760 पव्वे "ग्रांड पार्टी प्रीमियम वोडका" (180 एमएल) बरामद किए गए, जो चंडीगढ़ बिक्री हेतु चिह्नित थे। मौके से वाहन चालक संदीप कुमार (निवासी हरियाणा) को गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में कोटा एवं रामगंजमंडी क्षेत्र के आबकारी अधिकारियों एवं जाब्ते की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

गर्मी की छुट्टियों में सूना पड़ा घर बना चोरों का निशाना, CCTV में कैद हुए तीन नकाबपोश

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। शहर के वल्लभ विहार इलाके में एक बंद मकान को चोरों ने अपना निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवर, नकदी और कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। परिवार गर्मी की छुट्टियां मनाने महाराष्ट्र गया हुआ था और इसी दौरान बदमाशों ने सुनसान घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। घटना का खुलासा तब हुआ जब पड़ोसियों ने घर की संदिग्ध स्थिति देखकर मकान मालिक को फोन पर सूचना दी। मकान मालिक मनोज व्यास फिलहाल नौकरी के सिलसिले में अहमदनगर (महाराष्ट्र) में रह रहे हैं और उनकी पत्नी व बच्चे भी उनके साथ छुट्टियां बिताने गए हुए थे। सूचना मिलते ही उन्होंने अपने छोटे भाई विद्यासागर व्यास को घर जाकर स्थिति देखने के लिए कहा। जब विद्यासागर मौके पर पहुंचे तो घर का नजारा देखकर दंग रह गए। कमरों में सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों के ताले टूटे हुए थे। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण शुरू किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि चोर घर से सोने का मंगलसूत्र, चांदी की पायजेब, बिछिया, चांदी के सिक्के, चांदी की मूर्तियां, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और करीब दस हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत का आकलन किया जा रहा है। जांच के दौरान आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज पुलिस के हाथ लगी है, जिसमें तीन नकाबपोश संदिग्ध घर के आसपास घूमते और बाद में मकान में प्रवेश करते दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में वारदात के बाद उन्हें घर से बाहर निकलते हुए भी देखा गया है। पुलिस अब इन तस्वीरों के आधार पर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। फिलहाल कोतवाली थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी जांच को आगे बढ़ा रही है। इस घटना ने एक बार फिर खाली पड़े मकानों की सुरक्षा और छुट्टियों के दौरान अतिरिक्त सतर्कता की आवश्यकता को उजागर कर दिया है।

चलती स्कूटी से युवती का पर्स छीना, विरोध करने पर सड़क पर दूर तक घसीटा; गंभीर रूप से घायल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में बेखौफ बदमाशों ने एक बार फिर लूट की वारदात को अंजाम दिया। बाइक सवार दो बदमाशों ने चलती स्कूटी से एक युवती का पर्स छीन लिया। युवती द्वारा पर्स नहीं छोड़ने पर उसे सड़क पर काफी दूर तक घसीट दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार पीड़िता राखी धारवाल और उनकी छोटी बहन मीना वसीटा एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होकर दक्षिणी विस्तार कॉलोनी से किशनपोल की ओर स्कूटी से लौट रही थीं। इसी दौरान गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र के पास रात के अंधेरे का फायदा उठाकर बाइक सवार दो बदमाशों ने उनका पीछा किया। कुछ ही दूरी पर बदमाशों ने स्कूटी के पास आकर पीछे बैठी मीना वसीटा के हाथ से पर्स छीनने का प्रयास किया। मीना ने हिम्मत दिखाते हुए पर्स नहीं छोड़ा, लेकिन इसी दौरान वह स्कूटी से नीचे गिर गई। इसके बावजूद बदमाशों ने रफ्तार कम नहीं की, जिससे मीना सड़क पर काफी दूर तक घसीटती चली गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना में मीना के घुटनों, सीने, कंधे और हथेलियों पर गंभीर चोटें आई हैं। वारदात के बाद बदमाश पर्स लेकर फरार हो गए। पर्स में राखी धारवाल के नाम के दो डेबिट कार्ड, नकदी, इमिटेशन ज्वेलरी और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज मौजूद थे।

चित्तौड़गढ़ में दुर्लभ कैट स्नेक का रेस्क्यू, बाथरूम में दिखा ढाई फीट लंबा सांप; सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। शहर के प्रताप नगर इलाके में मंगलवार सुबह एक दुर्लभ प्रजाति के कैट स्नेक (Cat Snake) के मिलने से इलाके में कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया। विश्वनाथ कॉलोनी निवासी मुकेश शर्मा के मकान के बाथरूम में अचानक सांप दिखाई देने पर परिवार के सदस्य घबरा गए, लेकिन उन्होंने समझदारी दिखाते हुए उसे नुकसान पहुंचाने के बजाय तुरंत चित्तौड़गढ़ वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण समिति को सूचना दी।

सूचना मिलते ही समिति के सदस्य मुबारिक खान मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाया। जांच के दौरान उन्होंने सांप की पहचान दुर्लभ कैट स्नेक के रूप में की, जो चित्तौड़गढ़ क्षेत्र में बेहद कम देखने को मिलता है। मुबारिक खान ने बताया कि चित्तौड़गढ़ में इस प्रजाति का यह दूसरा रेस्क्यू है। इससे पहले करीब छह वर्ष पूर्व उपलापाड़ा निवासी मुकेश समदानी के घर से भी इसी प्रजाति का कैट स्नेक मिला था, जिसका रेस्क्यू मनीष तिवारी और निखिल वानखेड़े ने रात के समय किया था। उन्होंने बताया कि इस तरह के सांप का मिलना क्षेत्र में बेहद दुर्लभ माना जाता है और इसकी मौजूदगी स्थानीय जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण संकेत है।

सुरक्षित रेस्क्यू के बाद प्राकृतिक आवास में छोड़ा

करीब ढाई फीट लंबे इस कैट स्नेक का मुबारिक खान ने पूरी सावधानी और विशेषज्ञता के साथ रेस्क्यू किया। जांच में सांप पूरी तरह स्वस्थ पाया गया। रेस्क्यू के बाद मौके पर मौजूद लोगों को इस प्रजाति के बारे में जानकारी भी दी गई, ताकि भविष्य में ऐसे वन्यजीवों के प्रति अनावश्यक भय या गलतफहमी न रहे। वन विभाग के नियमों का पालन करते हुए बाद में इस सांप को उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया गया। कैट स्नेक की सबसे प्रमुख पहचान इसकी बड़ी और चमकदार आंखें होती हैं, जो बिल्ली की आंखों जैसी दिखाई देती हैं। इसी विशेषता के कारण इसे कैट स्नेक कहा जाता है। यह प्रजाति सामान्यतः रात्रिचर (रात में सक्रिय) होती है और शांत स्वभाव की मानी जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार कैट स्नेक आंशिक रूप से विषैला होता है, लेकिन इसका विष मुख्य रूप से अपने शिकार को पकड़ने के लिए प्रभावी होता है। सामान्य परिस्थितियों में यह इंसानों के लिए खतरनाक नहीं माना जाता और बिना उकसावे के हमला नहीं करता।

फतहसागर पर 'प्रेंक' बना मुसीबत, नकली सांप से लोगों को डराने वाले चार युवक पुलिस के शिकंजे में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सोशल मीडिया पर लाइक और व्यूज की होड़ अब कानून व्यवस्था और आम लोगों की सुरक्षा पर भारी पड़ने लगी है। उदयपुर के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में शामिल फतहसागर झील पर एक युवक ने नकली सांप का इस्तेमाल कर राह चलते लोगों को डराने का वीडियो बनाया। वीडियो में कई बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे अचानक घबराकर पीछे हटते और भागते दिखाई दिए। झील किनारे इस तरह की हरकत किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती थी। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों और सोशल मीडिया यूजर्स ने इस तरह के प्रेंक पर कड़ी आपत्ति जताई। विरोध बढ़ने पर अंबामाता थाना पुलिस ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया और मुख्य आरोपी कविश डांसर सहित कुल चार युवकों को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों का माफीनामा भी सार्वजनिक किया, जिसमें सभी हाथ जोड़कर भविष्य में ऐसी गतिविधि नहीं दोहराने की बात कहते नजर आए। उदयपुर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने इस मामले को गंभीर बताते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि सार्वजनिक स्थानों पर लोगों में भय या अफरा-तफरी फैलाने वाले प्रेंक किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लाइक और व्यूज की लालसा में किसी की जान को खतरे में डालना न केवल गैरजिम्मेदाराना बल्कि दंडनीय अपराध भी है। पुलिस ऐसे मामलों पर लगातार नजर रख रही है और केवल माफी मांग लेने से कानूनी कार्रवाई से बचा नहीं जा सकेगा। दूसरी ओर विवाद बढ़ने के बाद आरोपी युवक कविश ने सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए दावा किया कि वीडियो में शामिल बुजुर्गों और महिलाओं को पहले से इसकी जानकारी दी गई थी और उनकी सहमति से ही शूटिंग की गई थी। उसने कहा कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने या परेशानी पैदा करने का उसका उद्देश्य नहीं था, फिर भी यदि किसी को बुरा लगा हो तो वह इसके लिए क्षमा चाहता है। हालांकि पुलिस का मानना है कि सार्वजनिक स्थान पर इस तरह का कंटेंट न केवल लोगों में दहशत फैला सकता है बल्कि अप्रत्याशित दुर्घटना का कारण भी बन सकता है। ऐसे में यह मामला सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने की अंधी दौड़ और उसकी सीमाओं पर एक बड़ा सवाल खड़ा करता है।

महाराणा प्रताप की प्रेरणा से राष्ट्र एकता को सशक्त बनाने का आह्वान : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

24 न्यूज अपडेट

गोगुंदा, 16 जून। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर प्रताप की राजतिलक स्थली गोगुंदा में आयोजित भव्य समारोह में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने महाराणा प्रताप के शौर्य, त्याग और राष्ट्रनिष्ठा को नमन करते हुए कहा कि मेवाड़ की यह पावन धरा आज भी देश की एकता और अखंडता की जीवंत प्रेरणा है। लोकसभा अध्यक्ष श्री बिरला दोपहर बाद प्रताप राजतिलक स्थली पहुंचे, जहां उन्होंने सर्वप्रथम महादेव बावड़ी स्थित महाराणा प्रताप एवं राणा पूंजा भील की प्रतिमा तथा महादेव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात वे मुख्य सभा स्थल पहुंचे, जहां हजारों की संख्या में मौजूद जनसमूह ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। अपने संबोधन में श्री बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन केवल युद्ध और संघर्ष की गाथा नहीं, बल्कि स्वाभिमान, स्वतंत्रता और जनसेवा का महान संदेश है। उन्होंने कहा कि गोगुंदा में हुआ प्रताप का राजतिलक सत्ता या वैभव का प्रतीक नहीं था, बल्कि मेवाड़ की स्वतंत्रता और प्रजा के सम्मान की रक्षा का संकल्प था। प्रताप ने जंगलों में रहकर भी कभी अधीनता स्वीकार नहीं की और आदिवासी समाज, राणा पूंजा भील तथा भामाशाह जैसे सहयोगियों के साथ मिलकर इतिहास रचा। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का त्याग और चेतक की वीरता आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती है। यह भूमि हमें सिखाती है कि सच्चा नेतृत्व वही है जो अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित हो। समारोह में सांसद श्री सी.पी. जोशी, उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, जनजाति मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक श्री प्रताप लाल गमेती, उदयपुर ग्रामीण विधायक श्री फूल सिंह मीना तथा देहात भाजपा जिलाध्यक्ष श्री पुष्कर तेली सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, महाराणा प्रताप और राणा पूंजा भील के चित्रों पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मंच पर उपस्थित अतिथियों का मेवाड़ी पाग, उपरणा एवं प्रताप प्रतिमा भेंट कर पारंपरिक स्वागत किया गया। चारों मंडल अध्यक्षों द्वारा लोकसभा अध्यक्ष का 101 किलो की पुष्पमाला से अभिनंदन किया गया, वहीं तीर-कमान और गीता भेंट कर स्वागत की परंपरा निभाई गई। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ने क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं का सम्मान किया तथा लगभग 25 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय वयोश्री योजना के लाभार्थियों से संवाद किया और विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष श्री चंद्रशेखर जोशी एवं श्री दयालाल चौधरी ने किया। समारोह में जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे, जिससे पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति और मेवाड़ी गौरव से सराबोर रहा।

एमबी हॉस्पिटल में नुक्कड़ नाटक के जरिए दिया अंगदान का संदेश, ब्रेन डेथ और ऑर्गन डोनेशन पर किया जागरूक

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 जून। आरएनटी मेडिकल कॉलेज की मेडिकल कॉलेज ऑर्गन रिट्रीवल कमेटी की ओर से मंगलवार को एमबी हॉस्पिटल के पोर्च पर जीएनएम नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा हिंदी नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन, मरीजों के परिजनों और अस्पताल स्टाफ को ब्रेन डेथ तथा अंगदान के महत्व के प्रति जागरूक करना था। नुक्कड़ नाटक में प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से बताया गया कि ब्रेन डेथ की स्थिति क्या होती है, ऐसे समय में मरीज के परिजनों को किस प्रकार परामर्श दिया जाता है और एक ब्रेन डेड व्यक्ति के अंगदान से कई जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन कैसे मिल सकता है। भावनात्मक और जानकारीपूर्ण प्रस्तुति को उपस्थित लोगों ने सराहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल एवं कंट्रोलर राहुल जैन रहे, जबकि महाराणा भोपाल हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. आर. एल. सुमन विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. संजीव टाक, जीएनएमटीसी के प्रधानाचार्य रंजीत बेरवा, डॉ. गौरव जयसवाल, डॉ. मनोज आर्य, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग सुपरिटेंडेंट जितेंद्र भटनागर, शारदा गरासिया, चंद्र प्रकाश सिसोदिया, बीना चौधरी, ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर हरीश चोबीसा, विष्णु दर्जी, जगदीश भांडावत, पियूष कलाल, दीपक जैन, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी नरेश पूर्बिया, शकीला अंसारी, जीएनएम के ट्यूटर, नर्सिंग स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ऑर्गन रिट्रीवल के नोडल ऑफिसर डॉ. तरुण रलोत ने किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को अंगदान की प्रक्रिया, ब्रेन डेथ की अवधारणा और समाज में इसके महत्व की विस्तृत जानकारी दी। आयोजन के दौरान इच्छुक नागरिकों से अंगदान के लिए प्रतिज्ञा (प्लेज) लेने और रजिस्ट्रेशन कराने का आग्रह किया गया। साथ ही जागरूकता बढ़ाने के लिए जानकारी पुस्तिकाएं और पाम्फलेट भी वितरित किए गए।

महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती की पूर्व संध्या पर राजस्थान विद्यापीठ में पुष्पांजलि कार्यक्रम, अश्वारूढ़ प्रतिमा पर किया नमन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 जून। प्रातः स्मरणीय वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती की पूर्व संध्या पर मंगलवार को जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ के प्रतापनगर स्थित महाराणा प्रताप खेल मैदान में श्रद्धा और सम्मान के साथ पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यापीठ के तीनों परिसरों के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं कार्यकर्ताओं ने महाराणा प्रताप की अश्वारूढ़ प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर, पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा तथा रजिस्ट्रार डॉ. तरुण श्रीमाली के सानिध्य में श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

हल्दीघाटी का युद्ध स्वतंत्रता बनाम साम्राज्यवाद का प्रतीकः प्रो. सारंगदेवोत

इस अवसर पर कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि इतिहास में स्वतंत्रता और स्वाभिमान के सबसे बड़े प्रतीकों में महाराणा प्रताप का नाम सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का एकमात्र उद्देश्य मेवाड़ और देश की स्वाधीनता को अक्षुण्ण बनाए रखना था। हल्दीघाटी का युद्ध केवल दो शासकों के बीच संघर्ष नहीं बल्कि स्वतंत्रता बनाम साम्राज्यवाद की लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों की रक्षा, सर्वधर्म समभाव और विश्व शांति का संदेश दिया। उनके आदर्शों को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है, ताकि समाज में अपराधमुक्त और समानतापूर्ण व्यवस्था स्थापित हो सके। उन्होंने कहा कि प्रताप ने स्वतंत्रता के लिए अपना राजपाट तक त्याग दिया और उनका जीवन आत्मसम्मान, देशभक्ति एवं वीरता का अद्वितीय उदाहरण है।

जीवनभर अधीनता स्वीकार नहीं कीः भंवर लाल गुर्जर

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर ने कहा कि महाराणा प्रताप ने जीवनभर किसी भी प्रकार की अधीनता स्वीकार नहीं की और धर्म तथा स्वाभिमान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि मुगल काल में महाराणा प्रताप ने मानवाधिकारों और समानता की भावना को आगे बढ़ाया तथा अपनी सेना में समाज के सभी वर्गों को समान अवसर देकर सामाजिक समरसता का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता की लड़ाई में प्रताप ने समानता और समावेशिता का मार्ग अपनाया, जिससे उनकी विचारधारा आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है।

बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिकारी और कार्यकर्ता रहे उपस्थित

कार्यक्रम में प्रो. मलय पानेरी, प्रो. सरोज गर्ग, प्रो. जीवनसिंह खरकवाल, प्रो. मंजू मांडोत, परीक्षा नियंत्रक प्रो. पारस जैन, प्रो. युवराज सिंह राठौड़, डॉ. धर्मेंद्र राजौरा, प्रो. अवनीश नागर, प्रो. हेमेन्द्र चौधरी, डॉ. लीली जैन, प्रो. अमी राठौड़, प्रो. सुनीता मुर्डिया, प्रो. रचना राठौड़, प्रो. बी.एल. श्रीमाली, प्रो. सुनील चौधरी, डॉ. सपना श्रीमाली, डॉ. गुणबाला आमेटा, डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव, निजी सचिव के.के. कुमावत, जितेन्द्र सिंह चौहान, उमराव सिंह राणावत, डॉ. ओम पारीक, डॉ. जयसिंह जोधा, डॉ. धीरेन्द्र सिसोदिया, डॉ. मोहसीन छीपा, भगवती लाल श्रीमाली सहित विद्यापीठ के डीन, डायरेक्टर, शिक्षक, अधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

'दिल की गली से' ग़ज़ल संग्रह का 19 जून को होगा विमोचन, साहित्यिक संध्या में सजेगा कवि सम्मेलन

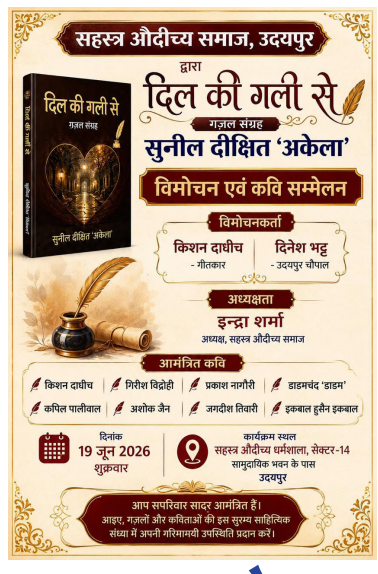

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सहस्त्र औदीच्य समाज के तत्वावधान में समाज के युवा कवि सुनील दीक्षित 'अकेला' के ग़ज़ल संग्रह 'दिल की गली से' का भव्य विमोचन एवं कवि सम्मेलन 19 जून 2026, शुक्रवार को शाम 7 बजे सेक्टर-14 स्थित सहस्त्र औदीच्य धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर साहित्य प्रेमियों को ग़ज़लों और कविताओं से सजी एक सुरम्य साहित्यिक संध्या का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहस्त्र औदीच्य समाज की अध्यक्ष इंदिरा शर्मा करेंगी। ग़ज़ल संग्रह का विमोचन प्रख्यात गीतकार किशन दाधीच तथा वरिष्ठ पत्रकार एवं उदयपुर चौपाल से जुड़े दिनेश भट्ट के आतिथ्य में होगा।

कई ख्यातनाम कवि करेंगे काव्य पाठ

विमोचन समारोह के साथ आयोजित कवि सम्मेलन में किशन दाधीच, कपिल पालीवाल, गिरीश विद्रोही, अशोक जैन, प्रकाश नागौरी, जगदीश तिवारी, डाडमचंद 'डाडम' और इकबाल हुसैन 'इकबाल' सहित कई प्रतिष्ठित कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे।

समाज ने किया अधिकाधिक उपस्थिति का आह्वान

सहस्त्र औदीच्य समाज के उपाध्यक्ष दिनेश कुमार दवे ने समाज के सभी सदस्यों और साहित्य प्रेमियों से कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होकर युवा कवि सुनील दीक्षित 'अकेला' का उत्साहवर्धन करने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय धर्म नारायण दीक्षित के पुत्र सुनील दीक्षित ने अपने काव्य लेखन को 'दिल की गली से' शीर्षक ग़ज़ल संग्रह के रूप में संकलित किया है, जिसका विमोचन समाज के लिए गौरव का विषय है। आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी के रचनाकारों को प्रोत्साहन देने और साहित्यिक संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

सहेलियों की बाड़ी में योग प्रोटोकॉल का भव्य पूर्वाभ्यास, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर बढ़ा उत्साह

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 जून। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के तहत चल रहे 50 दिवसीय योग काउंटडाउन कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार सुबह सहेलियों की बाड़ी में सामूहिक योग प्रोटोकॉल का भव्य पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, योग साधकों, विद्यार्थियों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

सहायक निदेशक डॉ. भानु कुमार जैन ने बताया कि जिलेभर में नियमित रूप से योग प्रोटोकॉल के पूर्वाभ्यास आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़कर स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने सभी नागरिकों से 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

योग समन्वयक एवं सहायक नोडल अधिकारी वैद्य डॉ. शोभालाल औदीच्य ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि संतुलित और स्वस्थ जीवन जीने की संपूर्ण पद्धति है। नियमित योगाभ्यास से मानसिक शांति, शारीरिक स्फूर्ति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। उन्होंने लोगों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. शुभा सुराणा ने कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार मिनट-टू-मिनट योगाभ्यास करवाया, जिसमें विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। वहीं डॉ. संजय माहेश्वरी ने प्रतिभागियों को विभिन्न योग क्रियाओं के स्वास्थ्य लाभ और उनके महत्व की जानकारी दी।

मंच पर जिग्नेश शर्मा, विमला सिंह, मैना जैन, मुकेश पाठक, योगी अशोक जैन, पूरण सिंह, शारदा जालोरा, प्रेम जैन, सरला जोशी, गायत्री और सुरेश पालीवाल ने योग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन करते हुए प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। उपस्थित लोगों ने पूरे अनुशासन और उत्साह के साथ योगाभ्यास में भाग लिया।

इस अवसर पर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय उदयपुर, पतंजलि योग समिति, क्रीड़ा भारती, पैसिफिक विश्वविद्यालय, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन, स्वास्थ्य सेतु, विश्व फाउंडेशन, सुकृपा फाउंडेशन, प्रणव आयुर्वेद योग सेंटर, ओसवाल सभा, ओसवाल युवक परिषद और आरोग्य विहार धाम सहित कई संस्थाओं के पदाधिकारी, सदस्य और योग साधक मौजूद रहे।

वैद्य डॉ. शोभालाल औदीच्य ने बताया कि 50 दिवसीय योग काउंटडाउन के तहत अगला योग प्रोटोकॉल पूर्वाभ्यास 17 जून की सुबह गुलाब बाग स्थित गांधी मूर्ति के समक्ष आयोजित किया जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक नागरिकों से समय पर पहुंचकर योगाभ्यास में भाग लेने और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

'शिक्षा को विद्या और संस्कार से जोड़ना होगा' : जनुभाई की 115वीं जयंती पर गूंजे नई शिक्षा नीति और चरित्र निर्माण के संदेश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ के संस्थापक मनीषी पंडित जनार्दनराय नागर 'जनुभाई' की 115वीं जयंती पर मंगलवार को प्रतापनगर स्थित आईटी सभागार में आयोजित संगोष्ठी में शिक्षा, चरित्र निर्माण और नई शिक्षा नीति-2020 को लेकर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम में वक्ताओं ने जनुभाई के शिक्षा दर्शन को आज के दौर में भी पूरी तरह प्रासंगिक बताते हुए उनके सपनों को साकार करने का संकल्प दोहराया। राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि जनुभाई केवल एक शिक्षाविद् नहीं बल्कि लेखक, साहित्यकार, पत्रकार, कवि और समाज सुधारक थे, जिन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बनाया। उन्होंने बताया कि आजादी से करीब दस वर्ष पहले जनुभाई ने लालटेन के प्रकाश में मेवाड़ के गांव-गांव जाकर शिक्षा की अलख जगाई और ग्रामीण समाज को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामुदायिक केंद्रों की स्थापना की। प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि आज शिक्षा को केवल सूचना देने तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि उसे विद्या और नैतिक मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता है। उनके अनुसार शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करना और उसके भीतर मानवीय एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 भारतीय ज्ञान परंपरा, मातृभाषा आधारित शिक्षण, कौशल विकास और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल देती है, जो जनुभाई के विचारों से पूरी तरह मेल खाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति एवं कुल प्रमुख भंवर लाल गुर्जर ने कहा कि जनुभाई का पूरा जीवन शिक्षा, सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने शिक्षा को कभी केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं माना बल्कि व्यक्ति और समाज के समग्र विकास का आधार बनाया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति भी रचनात्मकता, नवाचार, नैतिक मूल्यों और रोजगारपरक कौशल को बढ़ावा देकर उसी लोकमंगलकारी सोच को आगे बढ़ाती है जिसकी कल्पना जनुभाई ने की थी। भंवर लाल गुर्जर ने विद्यापीठ की स्थापना के शुरुआती संघर्षों का उल्लेख करते हुए बताया कि आजादी से पहले मात्र पांच कार्यकर्ताओं और तीन रुपये के बजट से शुरू हुई यह संस्था आज हजारों विद्यार्थियों, एक हजार से अधिक कार्यकर्ताओं और लगभग 80 करोड़ रुपये के वार्षिक बजट के साथ विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुकी है। उन्होंने कहा कि जनुभाई के कई सपनों को साकार किया जा चुका है और शेष लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सभी मिलकर कार्य कर रहे हैं। संगोष्ठी से पहले प्रतापनगर परिसर में स्थापित जनुभाई की आदमकद प्रतिमा पर कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, कुलाधिपति एवं कुल प्रमुख भंवर लाल गुर्जर, पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा तथा रजिस्ट्रार डॉ. तरूण श्रीमाली के सान्निध्य में पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान तीनों परिसरों के कार्यकर्ताओं और शिक्षकों ने जनुभाई के आदर्शों पर चलते हुए विद्यापीठ के निरंतर विकास और समाजोन्मुख शिक्षा के विस्तार का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कुलशेखर व्यास ने किया जबकि आभार डॉ. कौशल नागदा ने व्यक्त किया। समारोह में प्रो. मलय पानेरी, प्रो. सरोज गर्ग, प्रो. जीवनसिंह खरकवाल, प्रो. मंजू मांडोत, प्रो. पारस जैन, प्रो. युवराज सिंह राठौड़, डॉ. धर्मेन्द्र राजौरा, प्रो. अवनीश नागर, प्रो. हेमेन्द्र चौधरी, डॉ. लीली जैन, प्रो. अमी राठौड़, प्रो. सुनिता मुर्डिया, प्रो. रचना राठौड़, प्रो. बीएल श्रीमाली, डॉ. सपना श्रीमाली, डॉ. गुणबाला आमेटा, डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव, केके कुमावत, जितेन्द्र सिंह चौहान, उमराव सिंह राणावत, डॉ. ओम पारीक, डॉ. जयसिंह जोधा, डॉ. धीरेन्द्र सिसोदिया, डॉ. मोहसीन छीपा और भगवती लाल श्रीमाली सहित बड़ी संख्या में डीन, डायरेक्टर, शिक्षक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने जनुभाई को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने और शिक्षा के माध्यम से समाज निर्माण के संकल्प को दोहराया।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।